RAF SECTOR

NEWS CLIP

23/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Jagran Jamshedpur (JKD)

संवाददाता ▷ नरवा

रेंज 3 देहरादून के अंतर्गत देश के पांच बटालियनों में 91 बटालियन (लखनऊ), 101 बटालियन (प्रयागराज), 106 बटालियन जमशेदपुर (झारखंड), 107 बटालियन (भोपाल) तथा 114 बटालियन (जालंधर) से आये केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कुल 151 जवानों को रैफ 106 बीएन के प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पूरा होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया.

सुंदरनगर स्थित 106 बीएन कमांडेंट पीके सिंह के मार्गदर्शन में द्वितीय कमान अधिकारी अनामी शरण तथा सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार द्वारा दिये गये प्रशिक्षण के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. प्रशिक्षण के दौरान चार सप्ताह तक चले प्रशिक्षण में केरीपु से आये सभी 151 जवानों को दंगों की नयी चुनौतियों का सामना करने, दंगों से निपटने, दंगा नियंत्रण ड्रील तथा रैफ के विभिन्न दंगा निरोधक हथियार, कम बल प्रयोग, धैर्य, विशेष वाहनों में जैसे वज्र, वरुण, फायर टेंडर, विशेष इक्वीपमेंट, फायर फाइटिंग, कानून, विधि व्यवस्था की जानकारी दी गयी, जिससे वे आने वाली नयी चुनौतियों का सामना कर सके. इसके अलावा कुशल चिकित्सक द्वारा हार्ट अटैक जैसी परिस्थिति से निपटने की गुर बताये गये. प्रशिक्षण समापन की घोषणा 106 रैफ बीएन के द्वितीय कमान अधिकारी विनोद कुमार द्वारा की गयी.

Amar Ujala Meerut (UP)

आरएएफ मुख्यालय ने दिए आदेश, पूरी कंपनी एक साथ ही रहेगी

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। मेरठ में शुक्रवार को हुए बवाल के बाद आरएएफ मुख्यालय ने आदेश दिए हैं कि पूरी कंपनी एक साथ रहेगी। मेरठ के लिए शनिवार को दो कंपनी फोर्स मिलनी थी, लेकिन एक कंपनी फोर्स को सहारनपुर में भेज दिया। मेरठ, सहारनपुर, रामपुर और मुरादाबाद में आरएएफ की एक एक कंपनी लगाई गई है। प्रत्येक कंपनी में कंपनी कमांडर के ऊपर आरएएफ के असिस्टेंट कमांडेंट और डिप्टी कमांडेंट रैंक के अधिकारी भेजे गए हैं।

शुक्रवार को मेरठ में आरएएफ की एक कंपनी लगाई गई थी। मेरठ में बवाल हुआ तो जिला प्रशासन ने इमरजेंसी कॉल पर आरएएफ से और फोर्स बुलाई गई। शहर के हालात संभालने के लिए आरएएफ वाहिनी के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार को खुद क्यूआरटी के साथ निकलना पड़ा। बवालियों द्वारा की गई फायरिंग में आरएएफ के एसआई वीडी शुक्ला और कांस्टेबल अनुज कुमार गोली लगने से घायल हो गए थे।

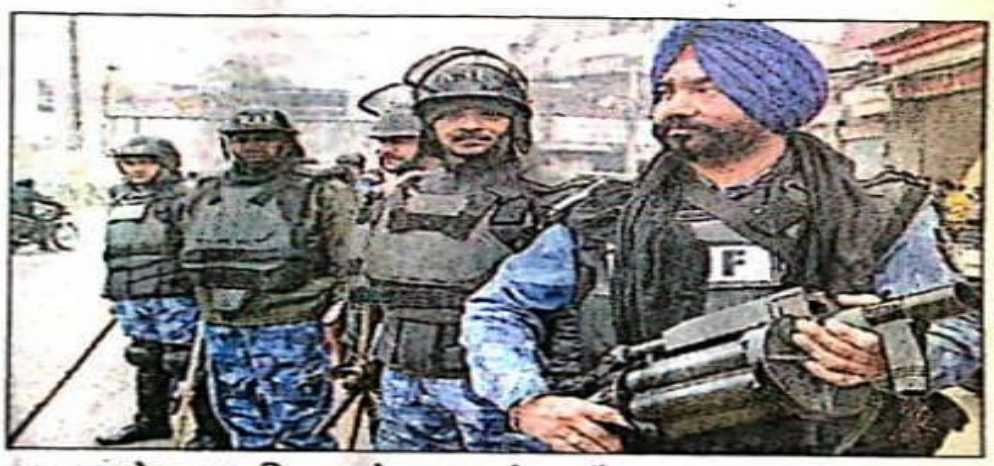

बवाल के बाद शनिवार को हापुड़ अड्डे पर तैनात आरएएफ के जवान।

- 108 वाहिनी आरएएफ से मेरठ के अलावा मुरादाबाद, रामपुर व सहारनपुर भेजी गई फोर्स
- मेरठ के लिए मिली थी दो कंपनी, एक कंपनी फोर्स की कटौती कर सहारनपुर भेजी गई
- मेरठ में हुए बवाल में शनिवार को आरएएफ के कांस्टेबल और दरोगा को लगी थी गोली

मेरठ से पीएसी भी भेजी गई

मेरठ में हापुड़ रोड स्थित 44वीं वाहिनी पीएसी और रुड़की रोड स्थित छठी वाहिनी पीएसी में वाहिनियों से बाहर के लिए सात सात कंपनी फोर्स है। ऐसे में मेरठ के अलावा वेस्ट यूपी के अलग अलग जिलों में पीएसी भेजी गई है। छठी वाहिनी के सेनानायक नितिन तिवारी ने बताया कि मेरठ में सभी संवेदनशील स्थानों पर पीएसी लगाई गई है। अन्य जिलों के लिए भी फोर्स गई हुई है।

मजिस्ट्रेट और एसपी सिटी से किया इनकार

शनिवार सुबह से ही आरएएफ की एक कंपनी हापुड़ अड्डा चौराहे पर तैनात थी। फोर्स में डिप्टी कमांडेंट संजय कुमार और असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार तैनात रहे। दोपहर के समय एसपी सिटी एएन सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट संजय पांडेय और सीओ कोतवाली दिनेश शुक्ला ने आरएएफ के अधिकारियों से कहा कि आधी फोर्स हापुड़ अड्डा रहे और आधे जवानों को भूमिया पुल भेज दिया जाए। जिसके बाद आरएएफ ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके लिए सख्त आदेश हैं कि पूरी कंपनी एक साथ रहेगी। शहर के किसी भी हिस्से में रहें, एक साथ आरएएफ चलेगी और फ्लैग मार्च निकालेंगे।

Amar Ujala Meerut (UP)

'चल रही थीं गोलियां, बरस रहे थे पत्थर'

खतरनाक मंजर

बवाल की कहानी...घायलों की जुबानी

बयां किया दर्द

मेडिकल और जिला अस्पताल पहुंचे घायलों ने सुनाया दुखड़ा

अरीश रिजवी

मेरठ। 'गोलियां चल रही थीं...पत्थर बरस रहे थे। मंजर इतना खतरनाक था कि अल्फाजों में बयां करना मुश्किल है। एक तरफ बेखौफ भीड़ थी, तो दूसरी तरफ पुलिस। चारों तरफ उपद्रव ही उपद्रव।' यह कहना है मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती घायल पुलिसकर्मियों और लोगों का। किसी को गोली लगी है तो कोई पत्थर लगने से घायल है।

मेडिकल में भर्ती 108 आरएएफ के सब इंस्पेक्टर वीडी शुक्ला अमेठी के रहने वाले हैं। उनके पैर में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि चारों तरफ से पथराव हो रहा था। भीड़ गोली भी चला रही थी। एक गोली आकर मेरे पैर में लगी। साथियों ने मुझे गली में ले जाकर बैठाया। कुछ देर बाद पुलिस पार्टियां इकट्ठा हुईं। तब जाकर साथी पुलिसवाले अस्पताल लेकर आए। आरएएफ के सिपाही अनुज कुमार और अंकित राठी भी मेडिकल में भर्ती हैं। अंकित के हाथ में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि उपद्रवी पत्थर के साथ गोली भी चला रहे थे। वहीं, अनुज के चेहरे पर पत्थर लगे हैं।

मेडिकल कॉलेज लाए गए समद (18) पुत्र इकबाल के कंधे में गोली लगी है। वह श्यामनगर का रहने वाला है। इसने बताया कि मैं शाप्रिक्स मॉल में किताबों में बाइंडिंग का काम करता हूं। पैदल घर जा रहा था, तभी देखा झगड़ा होने लगा। अचानक कोई चीज आकर लगी और मैं बेहोश हो गया। मेरे दोस्त मुझे घर लेकर गए। मेडिकल में भर्ती अमजद (18) के हाथ में गोली लगी है। उसने बताया कि वह पीर वाली गली में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। बाहर से शोर की आवाज आ रही थी। मैंने बाहर निकलकर देखा तो बहुत भीड़ थी। लोग ज्यादा थे और पुलिसवाले कम। अचानक पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। मेरे हाथ में गोली आकर लगी। तभी मेरा भाई मुझे देखने घर से आया और अस्पताल ले आया। मेरे हाथ में फ्रैक्चर है।

जिला अस्पताल में भर्ती लखनऊ के रहने वाले खुर्शीद ने बताया कि मैं एक निजी चैनल में कार्यरत हूं। कवरेज के दौरान भूमिया का पुल से मैं इस्लामाबाद पुलिस चौकी पर कवरेज करने गया। वहां बाइक और पुलिस चौकी जल रही थी। मुझे लगा यहां उपद्रवी नहीं हैं। मैं वीडियो बनाने लगा। तभी चार-पांच उपद्रवी आए और मुझे पकड़ लिया। ईंटों से मेरे सिर पर प्रहार कर दिए। माइक आईडी तोड़ दी, हेलमेट छीन लिया। साथी पत्रकार ने मुझे अस्पताल में भर्ती कराया।

घायल आरएएफ का जवान अनुज

आरएएफ के दरोगा विद्याधर शुक्ल

घायल सिपाही अंकित राठी

रामपुर के तीन घायल लाए गए मेडिकल

मेरठ। रामपुर जिले के तीन घायलों को शनिवार शाम मेडिकल कॉलेज लाया गया। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. हर्षवर्धन ने बताया कि घायलों में वसी (15) पुत्र अकरम, आमिर (22) पुत्र मुन्नवर और सुब्हान (18) पुत्र छोटे खान हैं। वसी के पेट में गोली लगी थी, उसे हायर सेंटर लिए रेफर कर दिया गया है, जबकि बाकी दोनों का इलाज चल रहा है। आमिर के हाथ और सुब्हान की हथेली बुरी तरह जख्मी है।

बिजनौर और मुजफ्फरनगर के घायल भी हैं भर्ती

मेडिकल में बिजनौर और मुजफ्फरनगर से रेफर होकर आए घायल भी भर्ती हैं। इनमें कफील, सलमान निवासी बिजनौर हैं। बिजनौर से ही सिपाही मोहित भी यहां भर्ती हैं। उनके पेट में गोली लगी है। वहीं, समीर निवासी मुजफ्फरनगर भी भर्ती है।

दो घायल मेडिकल से ले गए

शुक्रवार को मेडिकल लाए गए रईस को परिजन अस्पताल से ले गए। इसके अलावा आरएएफ की सिपाही बलजीत कौर को आरएएफ कैंप में ले जाया गया।

घायल खुर्शीद

घायल अमजद

घायल समद

फंसे जवानों को जिंदा जलाने की थी साजिश

हापुड़ रोड पर एक दुकान में घुसे जवानों को बना लिया था बंधक, आरएएफ ने निकाला

- पीएसी के 30 प्रशिक्षु सिपाही, आरएएफ के दो जवान बना लिए थे बंधक

3 मिनट फोर्स नहीं पहुंचती तो हो सकती थी बड़ी अनहोनी, शासन को गई रिपोर्ट

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। शुक्रवार को हुए बवाल में बड़ी अनहोनी होने से बच गई। खुफिया विभाग ने जो रिपोर्ट शासन को भेजी है, उसमें बताया गया कि हापुड़ रोड पर बलवाई पुलिस बल की जान लेने पर आमादा थे। इसी के चलते पुलिस फोर्स को निशाना बनाया। बलवाई सीधे फायरिंग करने के अलावा आगजनी कर रहे थे। हापुड़ रोड पर जिस मकान पर आरएएफ के दो जवानों और पीएसी के 30 प्रशिक्षु सिपाहियों को बिल्डिंग में बंद किया था, उसमें बलवाइयों का इरादा तेल उड़ेलकर आग लगाना था। अगर फोर्स और तीन मिनट मौके पर नहीं पहुंचती तो कुछ भी हो सकता था।

सैकड़ों बवाली थे

हापुड़ रोड पर सिटी हॉस्पिटल के पास सैकड़ों की संख्या में बलवाइयों ने आगजनी शुरू की। जिसके बाद जब पुलिस फोर्स पहुंची तो पुलिस पर फायरिंग की गई। इस दौरान हापुड़ रोड, लिसाड़ीगेट, खत्ता रोड पर भी बलवा शुरू हो गया। हापुड़ रोड पर भवानी नगर के सामने सैकड़ों की संख्या में भीड़ ने फायरिंग शुरू कर दी। भीड़ ने एक दुकान में घुसे पीएसी के प्रशिक्षु सिपाहियों, आरएएफ के दो जवानों और एक मजिस्ट्रेट को बंधक बना लिया था। आरएएफ के जवानों की सूचना पर नौचंदी और सिविल लाइन पुलिस ने वहां तक पहुंचने की कोशिश की। लेकिन सामने से बलवाई फायरिंग कर रहे थे।

बलवाइयों ने सड़क पर टायर रखकर आग लगा दी। कई स्थानों पर पेट्रोल बम फेंके गए। बाद में आरएएफ की क्यूआरटी ने सभी को सुरक्षित निकाला था। अधिकारियों का कहना है कि यदि दो या तीन मिनट तक फोर्स नहीं पहुंचती तो अप्रिय घटना हो सकती थी।

Dainik Jagran Jamshedpur (JKD)

रैफ के प्रवर्तन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जमशेदपुर : द्रुत कार्य बल 106 बटालियन जमशेदपुर में देश के विभिन्न पांच बटालियन से आए जवानों का प्रवर्तन प्रशिक्षण शनिवार को समाप्त हुआ। यह प्रशिक्षण 106 बटालियन के कमांडेंट पीके सिंह के मार्गदर्शन में द्वितीय कमान अधिकारी विनोद कुमार, उपकमांडेंट अनामी शरण और सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर चल रहा था। केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोस (सीआरपीएफ) से आए हुए जवानों का द्रुत कार्य बल मैं ड्यूटी के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया जिससे वह आगे नई चुनौतियों का सामना कर सके। उक्त प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को दंगों से निपटने के लिए दंगा नियंत्रण और रैफ के विभिन्न प्रकार के दंगा निरोधक हथियार, कम बल प्रयोग, धैर्य और विशेष वाहनों का उपयोग जैसे वज्र व रूप फायर टेंडर, फायर फाइटिंग कानून एवं विधि व्यवस्था की जानकारी दी गई। (जासं)

Prabhat Khabar Jamshedpur (JKD)

रैफ के 151 जवानों ने लिया परिवर्तन का प्रशिक्षण

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

सुंदरनगर स्थित रैफ 106 बटालियन के परिसर में रैफ के 151 जवानों को परिवर्तन प्रशिक्षण दिया गया. इसमें 91 बटालियन लखनऊ, 101 बटालियन प्रयागराज, 106 बटालियन जमशेदपुर, 107 बटालियन भोपाल, 114 बटालियन जलांधर के जवान शामिल थे. परिवर्तन प्रशिक्षण 25 नवंबर को सुंदरनगर स्थित रैफ 106 परिसर में कमांडेंट पीके सिंह के नेतृत्व में टूआइसी विनोद कुमार, उप कमांडेंट अनामी शरण व सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार के देख-रेख में किया गया. इसका समापन 21 दिसंबर को हुआ. प्रशिक्षण शिविर में सीआरपीएफ से आये जवानों को रैफ में ड्यूटी के अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वह चुनौतियों का सामना कर सके. प्रशिक्षण के दौरान जवानों को दंगा से निबटने के लिए दंगा नियंत्रण ड्रिल और रैफ के विभिन्न प्रकार के दंगा निरोधक हथियार का प्रयोग, विधि-व्यवस्था को काबू करने, प्राथमिक उपचार करने, फायर फायटिंग सहित अन्य जानकारी दी गयी.

रैफ 106 में लगा दंत चिकित्सा शिविर

जमशेदपुर . सुंदरनगर स्थित रैफ 106 परिसर में शनिवार को दंत चिकित्सा शिविर लगाया गया . इसमें राजेश्वर अस्पताल के डॉ प्रवीण कुमार ने 200 जवानों के दांत का इलाज किया गया . साथ ही दवा दी गयी . इसके अलावा अन्य जानकारी दी .

Prabhat Khabar Ghatshila (JKD)

संवाददाता ▷ नरवा

रेंज 3 देहरादून के अंतर्गत देश के पांच बटालियनों में 91 बटालियन (लखनऊ), 101 बटालियन (प्रयागराज), 106 बटालियन जमशेदपुर (झारखंड), 107 बटालियन (भोपाल) तथा 114 बटालियन (जालंधर) से आये केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कुल 151 जवानों को रैफ 106 बीएन के प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पूरा होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया.

सुंदरनगर स्थित 106 बीएन कमांडेंट पीके सिंह के मार्गदर्शन में द्वितीय कमान अधिकारी अनामी शरण तथा सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार द्वारा दिये गये प्रशिक्षण के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. प्रशिक्षण के दौरान चार सप्ताह तक चले प्रशिक्षण में केरीपु से आये सभी 151 जवानों को दंगों की नयी चुनौतियों का सामना करने, दंगों से निपटने, दंगा नियंत्रण ड्रील तथा रैफ के विभिन्न दंगा निरोधक हथियार, कम बल प्रयोग, धैर्य, विशेष वाहनों में जैसे वज्र, वरुण, फायर टेंडर, विशेष इक्वीपमेंट, फायर फाइटिंग, कानून, विधि व्यवस्था की जानकारी दी गयी, जिससे वे आने वाली नयी चुनौतियों का सामना कर सके. इसके अलावा कुशल चिकित्सक द्वारा हार्ट अटैक जैसी परिस्थिति से निपटने की गुर बताये गये. प्रशिक्षण समापन की घोषणा 106 रैफ बीएन के द्वितीय कमान अधिकारी विनोद कुमार द्वारा की गयी.

Times of India (Delhi)

Human chain, imams' help kept protesters under check

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: A hashtag about the protest running on social media and an intel input about a massive showdown in central Delhi planned by some groups based in north-east Delhi had kept the cops on their toes on Friday. Police and members of an aman committee in Old Delhi, however, managed to stop the crowd from reaching central Delhi and prevent a flare-up of the situation in Daryaganj.

On Friday morning, more than 20,000 people had gathered at Seelampur. They started marching towards Wazirabad to reach Jama Masjid after WhatsApp forwards from different groups asked people to gather in central Delhi in large numbers.

Anticipating trouble, police blocked all the entry and exit routes from the area using barricades, while the members of the aman committee formed a human chain around these barricades to stop people from leaving the area.

"We convinced all the imams and maulavis from the area to join us in controlling the protest. Emotions were running high among the protesters and we had to remain careful about tensions flaring up due to police action," said Ved Prakash Surya, DCP (north-east).

By afternoon, the crowd gathered at the Jafrabad Road demanding a passage to march to Jama Masjid. This is when the local imams decided to hold the jumma prayers. Members of the aman committees arranged for mats and water so that the prayers could be held on the road.

"This calmed down the emotions rapidly. Most people started dispersing immediately after the prayers," said Imran, a member of the committee from Maujpur area. They also roped in some local mediapersons who were known to the people in the area.

By this time, the cops had blocked all the entry routes to Delhi from Loni and Ghaziabad. Despite this, two buses full of protesters, some of whom were armed with sticks, managed to enter Delhi. But they were detained and sent back.

A special team, including members of the aman committee, police and mediapersons, scanned through the WhatsApp messages being circulated. "We identified some of the numbers from which the messages were sent and reached out to the owners to convince them about the law and order situation that could ensue due to such messages being circulated," said a police officer.

Aman committee members also scanned through the social media posts of some of the prominent leaders of the protest and contacted them to keep away from spreading any messages that could affect peace.

"The situation in central Delhi would have been uncontrollable if the crowd had joined the protest at the Delhi Gate on Friday evening," said a police official.

File photo

CONTAINED: Anticipating a flare-up, police had blocked all the entry and exit routes from the area using barricades

Vijay Karnataka (KTK)

ಮಹಾನಗರ: ಕ್ಷಿಪ್ರ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆ ಪಡೆಯಿಂದ ನಗರದಲ್ಲಿ ಪಥ ಸಂಚಲನ ನಡೆಯಿತು.

Deployment of A 97 Bn ups south police station in Dist Dakshin kannada Manglore in (KTK)

Vijay Karnataka (KTK)

ಗಮನಕ್ಕೆ

ಮಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಕರ್ಫ್ಯೂ ಇರುವ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳು ರದ್ದಾಗಿದ್ದು ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಸೇವೆಯೂ ಸ್ಥಗಿತಗೊಂಡಿರುವುದರಿಂದ ಸುದ್ದಿಗಳ ಕೊರತೆಯ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಚಿಕೆಯನ್ನು ನಾಲ್ಕು ಪುಟಕ್ಕೆ ಸೀಮಿತಗೊಳಿಸಲಾಗಿದೆ.

-ಸಂ.

ಆಹ್ವಾನ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ಕಳಿಸಿ

ಪತ್ರಿಕೆಯ ಇಂದಿನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಅಂಕಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟಿಸಲು ನಿಮ್ಮ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಆಹ್ವಾನ ಪತ್ರಿಕೆಗಳನ್ನು ನಮ್ಮ ಕಚೇರಿಗೆ ಅಥವಾ ಇಮೇಲ್ ಗೆ ಕಳಿಸಿಕೊಡಿ. ಉದಯವಾಣಿ, ಮಂಗಳೂರು ಕಚೇರಿ, ಮಾನಸ ಟವರ್ಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ರಸ್ತೆ, ಮಂಗಳೂರು news_mlr@manipal media.com

ಮಹಾನಗರ: ಕ್ಷಿಪ್ರ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆ ಪಡೆಯಿಂದ ನಗರದಲ್ಲಿ ಪಥ ಸಂಚಲನ ನಡೆಯಿತು.

» ಉಳ್ಳಾಲ ಸೇತುವೆಗೆ ತಡೆಬೇಲಿ ನಿರ್ಮಾಣ ಪ್ರಸ್ತಾವ

ಎನ್ ಎಚ್ ಎಐ, ಶಾಸಕರಿಂದ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಪ್ರಯತ್ನದ ಭರವಸೆ

Deployment of A 97 Bn ups south police station in Dist Dakshin kannada Manglore in (KTK)

Vijawani (KTK)

ನಂ. 1 ಕನ್ನಡ ದಿನಪತ್ರಿಕೆ ವಿಜಯವಾಣಿ

ಸುಧಾರಿಸುತ್ತಿದ್ದ ಉದ್ದಿಮೆಗಳಿಗೆ ದೊಡ್ಡ ಹೊಡೆತ

ಎರಡು ದಿನಗಳ ಕರ್ಫ್ಯೂ ಮಂಗಳೂರಿನ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಮೇಲೆ ದೊಡ್ಡ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರಿದೆ. ಆರ್ಥಿಕ ಹಿಂಜರಿತ ಉದ್ಯಮಗಳಿಗೆ ಈಗಾಗಲೇ ಸಾಕಷ್ಟು ಆಘಾತ ನೀಡಿದ್ದು, ಅದರಿಂದ ನಿಧಾನವಾಗಿ ಹೊರಬರುತ್ತಿರುವ ಸಮಯದಲ್ಲೇ ಮತ್ತೆ ಹೊಡೆತ ಬಿದ್ದಿದೆ.

ಬ್ಯಾಂಕಿಂಗ್ ಸೇರಿದಂತೆ ಎಲ್ಲ ವಹಿವಾಟುಗಳು ಸ್ಥಗಿತಗೊಂಡಿರುವುದರಿಂದ ಎರಡು ದಿನಗಳಿಂದ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ವ್ಯವಹಾರ ಶೂನ್ಯವಾಗಿದೆ. ಆಮದು-ರಫ್ತಿನಂತಹ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆಗಳಿಲ್ಲದೆ ಎಲ್ಲ ಸ್ತಬ್ಧವಾಗಿದೆ. ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಜತೆ ಅದನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿದ ಕಾರ್ಮಿಕರು, ಉದ್ಯೋಗಿಗಳಿಗೂ ಬಿಸಿ ತಟ್ಟಿದೆ. ಭಾನುವಾರ ರಜಾದಿನವಾಗಿದ್ದು, ಸತತ ಮೂರು ದಿನಗಳ ಈ ಬಂದ್‌ನ ಪರಿಣಾಮ ಕೆಲವು ಉದ್ದಿಮೆಗಳಿಗೆ ಮುಂದಿನ ಮೂರು ತಿಂಗಳ ಕಾಲ ತಟ್ಟಲಿದೆ. ಬಂದ್‌ನಿಂದಾಗಿ ಕೈಗಾರಿಕೆಗಳಿಗಾದ ಒಟ್ಟಾರೆ ನಷ್ಟವನ್ನು ಅಂದಾಜಿಸುವುದು ಕಷ್ಟ ಎಂದು ಕೆನರಾ ವಾಣಿಜ್ಯ ಮತ್ತು ಕೈಗಾರಿಕಾ ಸಂಸ್ಥೆ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷ ಶಶಿಧರ ಪೈ ಮಾರೂರು 'ವಿಜಯವಾಣಿ'ಗೆ ತಿಳಿಸಿದ್ದಾರೆ.

» ಆಮದು-ರಫ್ತು ಸಹಿತ ವ್ಯವಹಾರ ಸಂಪೂರ್ಣ ಸ್ಥಗಿತ

ಆರ್ಥಿಕ ಹಿಂಜರಿತ ಈ ತ್ರೈಮಾಸಿಕದಲ್ಲಿ ಸುಧಾರಿಸುವ ಹಂತದಲ್ಲಿತ್ತು. ಹೆಚ್ಚಿನ ಉದ್ದಿಮೆಗಳು ಮತ್ತೆ ಸಹಜ ಸ್ಥಿತಿಗೆ ಬರುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ಈ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾಯಿತು. ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯನ್ನು ಮತ್ತೆ ಸಹಜ ಸ್ಥಿತಿಗೆ ತರಬೇಕು ಹಾಗೂ ಮುಂದೆ ಇಂತಹ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗದ ಹಾಗೆ ತಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಕೆಸಿಸಿಐ ಮಾಜಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ರಾಮ್‌ಮೋಹನ್ ಪೈ ಮಾರೂರು ಒತ್ತಾಯಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಮಂಗಳೂರು ನಗರದ ಸೆಂಟ್ರಲ್ ಮಾರುಕಟ್ಟೆ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಪೊಲೀಸರು, ಕ್ಷಿಪ್ರ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆ ಪಡೆಯಿಂದ ಪಥ ಸಂಚಲನ

ನೀರ್ಚಾಲಿನಲ್ಲಿ ಹಿಂಸಾಚಾರ 100 ಮಂದಿ ವಿರುದ್ಧ ಕೇಸ್

ಬದಿಯಡ್ಕ: ಪೌರತ್ವ ತಿದ್ದುಪಡಿ ಕಾಯ್ದೆ ವಿರುದ್ಧ ನೀರ್ಚಾಲಿನಲ್ಲಿ ಶುಕ್ರವಾರ ರಾತ್ರಿ ಪಂಜಿನ ಮೆರವಣಿಗೆ ನಂತರ ನಡೆದಿದ್ದ ವ್ಯಾಪಕ ಹಿಂಸಾಚಾರಕ್ಕೆ

ಗಲಭೆಗೆ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ಸೇ ಕಾರಣ

ಮಂಗಳೂರು ಗೋಲಿಬಾರ್ ಘಟನೆಗೆ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಶಾಸಕ ಯು.ಟಿ.ಖಾದರ್ ನೇರ ಹೊಣೆ, ರಾಜ್ಯ ಹೊ ಉರಿದೀತು ಎಂದು ಹೇಳಿದ ಮರುದಿನವೇ ಈ ದುರ್ಘಟನೆ ನಡೆದಿದೆ. ಕಾಯ್ದೆಯಿಂದ ಯಾವುದೇ ಸಮುದಾಯಕ್ಕೂ ಅನಾ ಆಗುವುದಿಲ್ಲ, ಈ ಬಗ್ಗೆ ಹಲವು ಬಾರಿ ಕೇಂದ್ರ, ರಾಜ್ಯ ಸಚಿವರು

Deployment of A 97 Bn ups south police station in Dist Dakshin kannada Manglore in (KTK)

Dainik Jagran Meerut (UP)

मेरठ में बवाल पर म्यांमार के अफसरों ने पूछे कई सवाल

सीखे हिंसा से आम नागरिकों को सुरक्षित बचाने के गुर

जागरण संवाददाता, मेरठ : म्यांमार पुलिस के अधिकारियों को आरएएफ एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) में भीड़ नियंत्रण प्रबंधन पर चल अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शनिवार को नागरिक सुरक्षा का पाठ पढ़ाया गया। मेरठ में उत्पात को लेकर म्यांमार के अफसरों के प्रश्नों पर जवाब दिए गए। अफसरों ने पूछा कि बिना किसी वजह अफवाह सुनकर लोग इतने हिंसक कैसे हुए? विशेष समुदाय के लोग ही क्यों बवाल में आगे आए? जिन पर आरएएफ ने उचित जवाब दिए तथा सांप्रदायिक हिंसा, दंगा आदि परिस्थिति में फायरिंग व आगजनी समेत अन्य हमलों में नागरिक बचाव के गुर सिखाए।

आरएएफ 108 बटालियन की उप

वाटर कैनन का सजीव प्रशिक्षण देते आरएएफ के अधिकारी • सौ.108 बटालियन

कमाण्डेंट शिल्पा कुमारी ने शनिवार को म्यांमार पुलिस के अधिकारियों को हिंसा में फंसने वाले निर्दोष नागरिकों को सुरक्षित बचाने के तरीके बताए। उन्होंने भीड़ को तीन हिस्सों महिला, बच्चे और आमजनों में बांटते हुए उसकी प्रकृति बताई। इसके बाद मोहम्मद सलमान खान ने दंगे पर काबू पाने के लिए आरएएफ के द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले विशेष वाहनों पर तकनीकी जानकारी दी तथा विभिन्न हालातों के हिसाब से वाहनों की उपयोगिता और विशेषता बताई। इसमें वज्र, वाटर कैनन, फायर टेंडर और दंगा नियंत्रण वाहन के द्वारा अभ्यास कराया। आरएएफ के सहायक कमाण्डेंट पवन अकोजी ने अफसरों को कम घातक हथियारों से अभ्यास कराया, जिनसे हिंसा करने वाले लोगों को बिना गंभीर नुकसान पहुंचाए रोका जा सके। मेरठ में हुए उपद्रव पर आरएएफ ऐसे ही हथियारों का इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा हथियारों का अभ्यास करते हुए उनकी मारक क्षमता और उसका लोगों पर पड़ने वाला प्रभाव दिखाया।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।